शुक्रवार
14 जनवरी 2022

पृष्ठ 4
किडनी को स्वस्थ रखने में सहायक हैं लहसुन!

पृष्ठ 5
आलिया भट्ट ने सात साल पहले ही साइन कर ली थी ब्रह्मास्त्र

- देहरादून
- वर्ष 28
- अंक 329
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रत्येक व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है।
– राजगोपालाचारी

दून वैली मेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com आर.एन.आई.- 59626/94
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम ने बद्रीनाथ की जनता से मांगा जीत का आशीर्वाद

संवाददाता

देहरादून। कोरोना प्रभावित चुनाव में फिजिकल रैलियों, जनसभाओं तथा रोड शो आदि पर चुनाव आयोग द्वारा लगाई गई रोक के बाद अब राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा डिजिटल प्रचार के माध्यमों को परखा जा रहा है। इस क्रम में आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी पहली वर्चुअल जनसभा की और बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के लोगों से 2022 में जीत के लिए उनसे आशीर्वाद मांगा।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि बीते 7 सालों में प्रधानमंत्री और उत्तराखंड की सरकार ने जो विकास के कार्य राज्य में किए हैं वह बीते 50 सालों में भी नहीं हो सके थे। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क और रेल मार्गों से लेकर हवाई सेवाओं का जो विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण हुआ है उसे राज्य के विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी ने केदारपूरी के कायाकल्प के लिए जो काम किया है उसके दो चरणों का काम पूरा हो चुका है तथा

❑धामी ने अपनी पहली वर्चुअल जनसभा की
❑कांग्रेस को बताया राष्ट्रीय विकास में बाधक

अंतिम चरण का काम जारी है वही बद्रीनाथ के पुनर्निर्माण का काम भी शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कार्यशैली सिर्फ शिलान्यास के पत्थर लगाने की रही थी जबकि भाजपा जिन परियोजनाओं को शुरू करती है उन्हें पूरा भी करती है। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ के विकास के लिए 425 करोड़ की योजना है जिस पर काम शुरू हो चुका है।

उन्होंने अपनी सरकार को जन विश्वास वाली सरकार बताते हुए कहा कि देवस्थानम बोर्ड का फैसला वापस लेना इसकी एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि आम जनता और तीर्थ पुरोहितों की जन भावनाओं को ध्यान में रखकर ही उन्होंने देवस्थानम बोर्ड का फैसला वापस लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की सोच के साथ काम करती है उन्होंने कहा कि कोंरोना के कारण इस बार का चुनाव बीते सभी चुनावों से अलग तरह का चुनाव है। उन्होंने कहा कि हमें प्रचार के साथ जन स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना है। 15 जनवरी तक हालात में सुधार नहीं होता है और कोरोना पाबंदिया जारी रहती है तो चुनाव आयोग के फैसले के साथ आगे की चुनावी प्रक्रिया जारी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हर रोज तीन–चार जनसभाएं वर्चुअली करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास डिजिटल प्रचार माध्यम की सुविधा अन्य सभी दलों से बेहतर है उन्होंने बद्रीनाथ की जनता से 2022 में भाजपा को आशीर्वाद देने की अपील की है।

मालचंद फिर भाजपा में आने को तैयार

संवाददाता

देहरादून। पुरोला के पूर्व भाजपा विधायक जो अभी चंद दिन पूर्व भाजपा को छोड़कर कांग्रेस के साथ चले गए थे अब उनके फिर भाजपा में आने की खबरें आ रही है। चर्चा है कि मालचंद को अब भाजपा से टिकट मिलने का भरोसा दिलाने के बाद वह भाजपा में लौटने को तैयार हो गए हैं।

राजनीति का खेल भी क्या अजब गजब खेल है। 2017 के चुनाव में मालचंद को भाजपा ने पुरोला सीट से अपना पार्टी प्रत्याशी बनाया था। लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार ने उन्हें हरा दिया। अब राजकुमार को भाजपा ने अपने पाले में खींच लिया तो मालचंद को लगने लगा कि अब भाजपा में उनके लिए कोई जगह नहीं बची और राजकुमार की एंट्री के बाद तो उन्हें टिकट मिलने का सवाल ही नहीं रह जाता है। यही कारण था कि मालचंद ने कांग्रेस में अपने लिए सियासी जमीन तलाशनी शुरू कर दी और उन्हें इसमें आसानी से कामयाबी भी मिल गई। दिल्ली दरबार में मालचंद कांग्रेस के हो गए। माना जा रहा था कि पुरोला सीट पर कांग्रेस मालचंद को अपना प्रत्याशी बनाएगी लेकिन कांग्रेस उम्मीदवारों की

❑भाजपा ने दिया टिकट दिलाने का भरोसा
❑राजकुमार की भाजपा में एंट्री से थे नाराज

सूची फाइनल भी नहीं कर सकी थी की खबर आ गई कि मालचंद फिर भाजपा में जाने वाले हैं।

खैर मालचंद कहां जाएंगे? और कब जाएंगे? यह अलग बात है लेकिन सिर्फ टिकट के लिए आज इधर और कल उधर आने जाने वाले नेताओं को जनता भी देख रही है। इस बारे में आज जब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर मालचंद भाजपा में फिर आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है पार्टी ने उन्हें बाहर नहीं निकाला था। अब देखना यह है कि भाजपा मालचंद और राजकुमार में से किसे पुरोला से टिकट देती है। दोनों को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

गाजीपुर मंडी में लावारिस बैग से मिला आईईडी

नई दिल्ली। २६ जनवरी से पहले देश की सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। ऐसे में देश की राजधानी दिल्ली के गाजीपुर के फूल बाजार में लावारिस बैग मिलने से शुक्रवार को अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि मौके से एक आईईडी बरामद हुआ है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने बताया कि बैग से आईडी मिला है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि उन्हें पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां भी मौक पर पहुंच गई थीं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने कहा, सूचना के आधार पर मिली जानकारी के बाद एक आईईडी हमें बरामद हुआ है। बॉम्ब को निष्क्रिय करने के लिए एनएसजी ने जेसीबी में एक बड़ा गड्ढ़ा कर उसमें कंट्रोल्ड ब्लास्ट किया। गाजीपुर के फूल बाजार में आईईडी मिलने की बात उस समय सामने आई है जब गणतंत्र दिवस बेहद ही करीब है। साथ ही गाजीपुर इलाका उत्तर से सटा हुआ है, जहां अगले कुछ दिनों में विधासभा चुनाव होने हैं। वहीं, मामले की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी गई है। इस मामले की जांच हो रही है कि बैग वहा कौन लेकर आया था या इसे कहां ले जाया जाना था। दिल्ली पुलिस का कहना है कि स्पेशल सेल में विस्फोटक अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

पिछले 24 घंटों में भारत में कोविड-19 के आए 2,64,202 मामले, संक्रमण से 315 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारत में महामारी की तीसरी लहर के बीच कल से आज १६,७८५ ज्यादा मामले सामने आए हैं। बता दें कि कोरोना वायरस के कल २,४७,४१७ मामले आए थे। पिछले २४ घंटों में भारत में कोविड–१६ के २,६४,२०२ नए मामले आए। मालूम हो कि पिछले २४ घंटों की तुलना में ये ६.७ प्रतिशत अधिक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले २४ घंटे में कोविड–१६ के २,६४,२०२ नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३,६५,८२,१२६ हो गई है। इसके अलावा, संक्रमण से ३१५ लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर ४,८५,३५० हो गई है। मालूम हो, कल

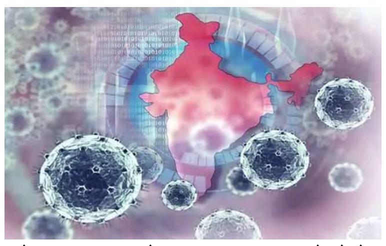

से आज तक में १,०६,३४५ मामले ऐसे रहे जिनकी रिकवरी हुई, जबकि सक्रिय मामलों की संख्या १२,७२,०७३ है। ओमीक्रोन की बात करें तो अभी के कुल ५,७५३ मामले हैं।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से बेकाबू हो रहा है। पिछले २४ घंटों के भीतर २८,८६७ नए मामले और, ३१ मरीजों की मौत हुई है। संक्रमण दर बढ़कर २६.२१ प्रतिशत हो गया है। दिल्ली में कोरोना वायरस की बढ़ती संख्या के बीच निरुद्ध क्षेत्रों की संख्या में १७ गुना बढ़ोतरी हुई है। वहीं, महाराष्ट्र की बात करें तो यहां अभी भी २,५५,५६१ सक्रिय मामले हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में ७१,०२२ मामले एक्टिव हैं। तमिल नाडु से भी १,०३,६१० मामले सक्रिय हैं, जबकि १,१५,७६२ एक्टिव मामले कर्नाटक से हैं। इसी तरह देश के हर राज्य की स्थिति बनी हुई है।

कोविड–१६ के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद किया। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुए इस संवाद में राज्यों में कोरोना के संक्रमण और इसके मद्देनजर उनकी तैयारियों पर चर्चा हुई।

दून वैली मेल

संपादकीय

महत्वाकाशांओं की राजनीति

उत्तराखंड राज्य अपने दो दशक के राजनीतिक सफर में राजनीति के तमाम विद्रुप रूप देख चुका है। राज्य गठन के साथ ही सूबे की अंतरिम सरकार का मुखिया बनने के लिए जो हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हुआ था वह 2017 के चुनाव में प्रचंड बहुमत वाली सरकार के गठन के बाद भी समाप्त नहीं हो सका। चुनावी साल में 57 विधायकों वाली भाजपा को एक नहीं दो-दो बार मुख्यमंत्री बदलने पड़े अब कांग्रेस भाजपा से सवाल कर रही है कि वह जनता को बताए तो सही कि उसकी ऐसी क्या मजबूरी थी? सूबे की राजनीति में यह रवायत कोई नई बात नहीं है। आपको याद होगा कि एक समय में खंडूरी है जरूरी का नारा देने वाली इसी भाजपा ने अपने इस जनरल को ही हरा दिया था और इसके परिणाम स्वरूप भाजपा को सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। उस दौर में भी लोगों ने यह सवाल उठाए थे कि भाजपा की ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने खंडूरी को कुर्सी से उतार कर डॉ निशंक को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया था और फिर जब डॉक्टर निशंक को कुर्सी से उतार कर खंडूरी को कुर्सी पर बैठना पड़ा था। राजनीति के इस चेहरे के पीछे सही मायने में सूबे के नेताओं की वह अति महत्वाकांक्षाए रही है जिन्होंने उन्हें पार्टी से भी बड़ा होने व स्वयंभू नेता होने का मुगालता दिया है। इन नेताओं के मुगालते का ही परिणाम था 2016 में कांग्रेस में हुआ वह विभाजन जिसने कांग्रेस को 2017 के चुनाव में अर्श से फर्श पर लाकर खड़ा कर दिया था। कांग्रेस और भाजपा के नेता एक स्वर से इस बात को स्वीकार करते हैं कि उन्हें कोई हरा नहीं सकता है। उन्हें अगर कोई हरा सकता है वह स्वयं हरा सकते हैं। कितनी अजब गजब बात है कि दो दशक से बारी-बारी से हार जीत का स्वाद चखने वाले यह नेता और राजनीतिक यह जानते हुए भी अपनी लीक से रत्ती भर भी हटने को तैयार नहीं है। किसी एक राजनीतिक दल के नेताओं ने भी अगर इस सत्य को समझा होता तो शायद उसे एक बार भी सत्ता से बाहर नहीं होना पड़ा होता। 6 महीने में तीन सीएम चेहरे बदलने वाली भाजपा अब अब की बार 60 पार के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है और 6 माह पहले राज्य के मुख्य सेवक बनने वाले पुष्कर सिंह धामी स्वयं को अगले 5 वर्षों तक इस पर बने रहने का सपना संजोए बैठे हैं। शायद उन्हें इस सूबे की उस विद्रूप राजनीति के चेहरे से अंजान बने रहने में ही अपनी भलाई दिख रही है। भाजपा का नारा भले ही 60 पार का हो लेकिन 70 में से 36 विधानसभा सीटों पर भाजपा में टिकट को लेकर जिस तरह की भितरघात की स्थिति बनी हुई है वह क्या गुल खिलाएगी? 10 मार्च को आने वाले चुनाव परिणामों से पता चलेगा। अभी तो भाजपा पहले उसी मिथक को तोड़ ले जो अब तक 20 सालों से जारी है कि एक बार भाजपा एक बार कांग्रेस। अगर भाजपा इस मिथक को तोड़ने में कामयाब भी हो जाती है तब भी उसकी स्थिरता और मुख्य सेवक कौन होगा इसकी भी क्या गारंटी है? भाजपा के लिए 2022 की यह डगर इतनी आसान नहीं है जितनी वह माने बैठी है और कांग्रेस के लिए तो यह और भी अधिक कठिन है। क्योंकि वहां भी महत्वाकांक्षी नागफनी का घना जंगल पसरा हुआ है। सबसे दुखद यह है कि राजनीति के इस कुरुक्षेत्र में जन सरोकार पूरी तरह विलुप्त हो गए हैं।

सीएम धामी पहुंचे थालसेवा में, किया भोजन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी थालसेवा में पहुंचे जहां पर पांच रूपये देकर मकर संक्रांति पर खीचडी खायी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी डा0 सुशीला तिवारी अस्पताल में पहुंचे। जहां पर उन्हें थालसेवा के बारे में जानकारी मिली कि वहां पर पहुंचे। जहां पर मकर संक्रांति पर खिचडी बनी थी।

मुख्यमंत्री ने 5 रूपये दे भोजन ग्रहण किया और थालसेवा के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने थालसेवा कर रही टीम के लोगों से बात कर उनका हौसला बढाया तथा साथ ही भविष्य में वहां हर महीने अपनी व्यक्तिगत रूप से एक दिन सेवा देने का संकल्प भी लिया।

विजन डॉक्यूमेंट बनाने को भाजपा लेगी समाज के विभिन्न वर्गो के सुझाव

संवाददाता

देहरादून। भाजपा महानगर कल 15 जनवरी को महानगर के शिक्षा, विधि ,चिकित्सा , आर्थिक क्षेत्र,सैन्य पृष्ठभूमि अन्य क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों से कल महानगर कार्यालय पर आगामी विधानसभा चुनाव हेतु बनाए जाने वाले विजन डॉक्यूमेंट हेतु सुझाव एकत्रित करेगी।

भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में महानगर के पदाधिकारियों, प्रकोष्ठ एवं प्रकल्प तथा मोर्चा की बैठक में तय किया गया कि 15 को महानगर की पांच विधानसभाओं में विगत कई दिनों से चलने वाले एलईडी वाहनों में रखी जन सुझाव पेटियों के साथ ही महानगर के विभिन्न वर्गों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों को कार्यालय पर कोविड-प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आमंत्रित कर सुझाव लिए जाएंगे। महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट के अनुसार कार्यक्रम में सभी विधायक तथा विधानसभाओं के प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार उपस्थित रहेंगे। महानगर मीडिया प्रभारी राजीव उनियाल के अनुसार महानगर की पांचो विधानसभा सीटों पर आई दावेदारों की सूची पर कार्यकर्ताओं द्वारा की गई रायशुमारी को प्रदेश संगठन तक पैनल बनाने हेतु भेजा गया है।

बैठक में महामंत्री सतेंद्र नेगी, चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ आनंद यादव, विधि प्रकोष्ठ संयोजक राजकुमार तिवारी, आर्थिक एवं उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ पंकज मेसोन, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ संयोजक एल पी सेमवाल ,शिक्षा प्रकोष्ठ संयोजक पार्वती जोशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष कमली भट्ट ,युवा मोर्चा अध्यक्ष अंशुल चावला ,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष अनिल बेदी सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड में कोरोना बम फूटने के लिए 3 राजनैतिक पार्टियां जिम्मेदारः ध्यानी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय महामंत्री सुनील ध्यानी ने कहा कि उत्तराखण्ड में कोरोना बम फूटने के लिए भाजपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी जिम्मेदार है।

आज यहां एक बयान जारी करते हुए ध्यानी ने कहा कि उत्तराखण्ड में कोरोना की तीसरी लहर भयानक रूप ले रही है। स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को पता था कि कोरोना की तीसरी लहर दस्तक दे चुकी है इन दलों ने उत्तराखण्ड में जगह-जगह रैलियां करी, यही न हीं भीड जुटाने के लिए मेरठ, बिजनौर, सहारनपुर, बरेली व मुरादाबाद से लोगों को लाये। इससे स्पष्ट है कि ये दल उत्तराखण्ड में दिन ब दिन कोरोना केस कि बढोत्तरी के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि उक्रांद विधानसभा चुनाव को पुरजोर तरीके से लड रहा है। दल द्वारा प्रत्याशियों की दूसरी सूची दल के अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी के देहरादून आगमन पर की जानी है। उन्होंने कहा कि दल अपने स्वाभाविक व राज्य की ज्वलंत मुददो को लेकर प्रखरता के साथ जनता के बीच चुनाव में ले जायेगा।

उन्होंने कहा कि इन 21 वर्षो मे भाजपा कांग्रेस बारी-बारी से सत्ता में आयी, सत्ता में रहते हुए इन दलों ने भू-माफियों, खनन माफियों व श् राब माफियों को संरक्षित किया राज्य को घोटालों का प्रदेश बनाकर देवभूमि उत्तराखण्ड को शर्मसार किया है। उन्होंने कहा कि उकांद चुनाव में परिसीमन के मुददे को भी मुख्य मुद्दा लेकर चलेगा।

टपकेश्वर महादेव में सुक्ष्म रूप से मनाया मकर संक्रांति पर्व

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दि टपकेश्वर महादेव मन्दिर में कोरोना को ध्यान में रखते हुए सूक्ष्म रूप से मनाया।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में पुनः कोरोना की बढ़ती हुई रफ्तार को देखते हुए इस बार मकर संक्रांति पर्व पर वह बहुत ही सूक्ष्म रूप में मनाया गया, भक्तों को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ खिचड़ी का प्रसाद वितरीत किया गया , साथ मास्क भी वितरित किए गए मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने भक्तों से अनुरोध किया कोरोना गाइडलाइन का अवश्य पालन करें। मास्क जरूर पहने, जरूरी काम होने पर ही बहार निकले भीड़भाड़ से बचें और वैक्सीन अवश्य लगाएं। इस अवसर पर गीता जोशी,एडवोकेट तनुज जोशी,वैभव जोशी,पंडित हर्षपति रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश विजलवान, अखिलेश भट्ट आदि का सहयोग रहा।

अग्ने त्री ते वाजिना त्री षधस्था तिस्रस्ते जिह्वा ऋतजात पूर्वीः।
तिस्र उ ते तन्वो देववातास्ताभिर्नः पाहि गिरो अप्रयुच्छन्।।
(ऋग्वेद ३-२०-२)

हे अग्नि स्वरूप विद्वान मनुष्यों ! आप अग्नि की तरह दूसरों को पवित्र करो। आपके तीन प्रकार के अन्न हैं। आपके तीन प्रकार के स्थान हैं। आपकी तीन प्रकार की वाणी है, और आपके तीन प्रकार के शरीर हैं। जिनके द्वारा आप जीवों का कल्याण करो।

O Agni liked scholarly men ! You purify others like fire. You have three types of foods. You have three types of places. You have three types of speeches, and you have three types of bodies. Through which you do welfare of the living beings.

(Rig Veda 3-20-2)

जनता के सुझाव के आधर पर दृष्टि पत्र होगा तैयारः बंसल

संवाददाता

देहरादून। भाजपा नेता नरेश बंसल ने कहा कि जनता द्वारा दिये गये सुझाव के आधार पर ही पार्टी का दृष्टि पत्र तैयार किया जायेगा।

आज यहां जिला देहरादून कार्यालय पर जनपद की पांचों विधानसभा चकराता, विकास नगर, सहसपुर, ऋषिकेश और डोईवाला विधानसभाओं की सुझाव पेटिका एकत्र की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश बंसल ने कहा की उत्तराखंड की ७० की ७० विधानसभाओं में दिसंबर माह में सुझाव पेटिका लेकर रथ रवाना हुए थे और १ माह से भी अधिक समय बाद सुझाव पेटिका लेकर वापस हुए हैं। संपूर्ण उत्तराखंड में जो सहयोग और उत्साह देखने को मिला उससे हमारा मनोबल बढ़ा है। हजारों हजारों की संख्या में सुझाव आए हैं। २०२५ तक उत्तराखंड अग्रणी राज्यों की कतार में शुमार हो और घोषणा पत्र जनता द्वारा जनता के लिए बने इस बात का प्रयास किया गया है। इन्हीं सुझाव के आधार पर दृष्टि पत्र तैयार किया जाएगा। दृष्टि पत्र में सबका साथ सबका विकास की झलक मिलेगी और समाज के सभी वर्गों की समृद्धि और खुशहाली का ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शमशेर पुंडीर ने सभी मंडल अध्यक्षों से लाभार्थी सूची बनाकर उनसे संपर्क करने की अपील की ।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अरुण कुमार मित्तल ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शरद रावत, संपूर्ण सिंह रावत, नीरज कुमार, विनय कंडवाल, विनोद कश्यप, रविंद्र राणा, दिनेश कौशिक, नीरज गुलेरिया, सुखदेव फर्सवाण, नवीन रावत सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल होते चुनाव प्रचार पर रहेगी कड़ी नजर

चमोली (आरएनएस)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए विधानसभा चुनाव में रैलियां, जुलूस, जनसभा की अभी आज्ञा नहीं है। चुनाव प्रचार का माध्यम डिजिटल प्लेटफार्म और सोशल मीडिया बना हुआ है। वहीं इन सभी प्रचार माध्यमों पर निर्वाचन विभाग की कड़ी नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें और पेड न्यूज पर नजर रखने के लिये मीडिया निगरानी समिति बना दी गई है। गोपेश्वर में उप जिला निर्वाचन अधिकारी हेमन्त वर्मा ने बताया कि अधिकतर लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम आदि पर सूचना दी जाती है। चुनाव के मद्देनजर सोशल मीडिया पर फर्जी सूचना और गलत जानकारी के अभियान को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी के लिए पहल की है। कहा कि मीडिया में पेड न्यूज एवं फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिये जिला स्तर पर मीडिया निगरानी समितियों का गठन किया गया है। जो पेड न्यूज व भ्रामक खबरों पर कड़ी निगरानी रख रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार को आपराधिक मामलों की जानकारी तीन बार देनी होगी।

कांग्रेस की बूथ कमेटी की बैठक आयोजित

श्रीनगर (आरएनएस)। शहर कांग्रेस कमेटी ने डांग एवं स्वीत क्षेत्र में बूथ कमेटी की बैठक आयोजित की। जिसमें कांग्रेसियों ने आगामी विस चुनाव को लेकर कांग्रेस के प्रचार–प्रसार एवं भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन्द्र पुंडीर एवं चुनाव समिति अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह नेगी ने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। कहा कि बूथ स्तर पर किस तरह से कार्यकर्ता प्रचार को लेकर काम करेंगे इसको लेकर रणनीति बनायी गई। कहा कि भाजपा सरकार के पांच सालों में जिस तरह से जनता को छलने काम किया है, उससे जनता में रोष है।

बैठक में कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र पंवार, हरि सिंह मियां, रंजीत धनाई, छात्रसंघ अध्यक्ष अंकित रावत ने कहा कि पांच सालों में आज श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों को मात्र कोरे आश्वासन दिये गये। जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आते ही कर्मचारियों के पक्ष में बेहतर फैसला लेगी। इस मौके पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीना रावत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

121 मरीजों को निशुल्क दवाईयों को वितरण किया

टिहरी (आरएनएस)। सेवा–टीएचडीसी के तहत सीएसआर इकाई ने टीएचडीसी चिकित्सालय भागीरथीपुरम के वरिष्ठ चिकित्सक डा़ नवनीत किरण, डा़ एसपी चौधरी, डा़ वरुण त्रिपाठी व पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से ब्लाक देवप्रयाग के कोटेश्वर बांध से प्रभावित गांव सेमलासु में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आये मरीजों का चिकित्सकों ने चिकित्सा जांच के पश्चात कुल १२१ मरीजों को निशुल्क दवाईयों को वितरण किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान बलबीर सिंह रांगर, बीडीसी मेंबर उत्तम सिंह नेगी, समाज सेवी दयाल सिंह रांगड, नारायण सिंह रांगड सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर सीएसआर के सामाजिक अधिकरी केएस पंवार ने सेवा–टीएचडीसी के तहत किये जा रहे सामाजिक कार्यों से अवगत कराया। ग्रामीणों ने टीएचडीसी से आगे भी इस तरह के कैंपों के आयोजन की मांग की।

ओटीपी पूछ कर दो लोगों से ठगे 1.29 लाख

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग पुलिस की साइबर सेल ने जिले में दो अलग–अलग मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को राहत दिलाई। साथ ही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि फोन पर किसी को भी अपना बैंक ओटीपी किसी को न दें। सजग रहते हुए डिजिटल से संबंधित कार्य करें। किसी भी तरह का लालच मुश्किलें पैदा कर सकता है।

निशुल्क कोचिंग की पहल शुरू

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। राज्य के प्रतिभा संपंन स्नातक छात्र–छात्राओं को केंद्र की एसएससी ग्रुप की प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता दिलाने के लिए निशुल्क कोचिंग शुरू की गई है। इस पहल का प्रदेशभर के अनेक जनपदों में स्वागत किया जा रहा है। निशुल्क कोचिंग के शुरूआती चरण में १४ आवेदकों में से ११ आवेदकों का एप्टीट्यूड टेस्ट १७ जनवरी को आयोजित होगा। जबकि २४ जनवरी को स्क्रीनिंग टेस्ट के बाद चयनित २० अभ्यर्थियों को मौका फाउंडेशन के सहयोग से ६ माह की निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। उत्तराखंड मानव सेवा समिति के अध्यक्ष पूर्व भविष्य निधि आयुक्त वीएन शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि रामनगर जिला नैनीताल में आयोजित कोचिंग के लिए अभी तक १४ आवेदकों में से ११ आवेदक एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए चिन्हित किए गए हैं। तीन आवेदन मानक पूरा न कर पाने के कारण निरस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा जारी बेवसाइट में अभ्यर्थी लगातार आवेदन कर सकते हैं। कहा कि १६ जनवरी तक वांछित संख्या में प्रतिभागी एप्टीट्यूड टेस्ट में शामिल होंगे। जबकि २५ जनवरी को स्क्रीनिंग के बाद छह माह की निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। शर्मा ने कहा कि संस्था व मौका फाउंडेशन द्वारा प्रतिभागियों की परीक्षा में शत प्रतिशत सफता प्राप्त करने के लिए निशुल्क कोचिंग के लिए चयन में कड़े मानक रखे गए हैं।

चमोली में टिकट को लेकर भाजपा व कांग्रेस में घमासान

गैरसैंण (कासं)। विधानसभा चुनाव की तारीख ज्यों ज्यों नजदीक आ रही है, टिकट के दावेदारों की धड़कन बढ़ने लगी है। एक एक सीट पर आधे से एक दर्जन दावेदारों की लंबी फेहरिस्त ने चयनकर्ताओं की नींद उड़ा रखी है। टिकट नहीं मिल पाने पर बगावत करने वाले कार्यकर्ताओं व पार्टी में रह कर अपने ही उम्मीदवार को निपटाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ने वाली मानसिकता वाले कार्यकर्ताओं का डर भी आला पार्टी नेताओं को डरा है। जो भी हो किन्तु माना जा रहा है कि चुनावी तारीखों के मध्यनजर आगामी दो चार दिनों में पार्टियां प्रत्यासिंयों की घोषणा कर देंगे। जनपद चमोली की कुल ३ विधानसभा सीटों पर भाजपा व कांग्रेस में घमसान मचा है। अपनी दावेदारी पुख्ता करने की जुगत में सभी दावेदार देहरादून से लेकर दिल्ली तक पार्टी आकाओं की परिक्रमा करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस में दो दौर की स्क्रीनिंग के बाद एक सीट पर २ से ४ प्रत्याशियों के पैनल आला कमान के दरवार में भेजे गए हैं, जब कि सत्ताधारी दल में दावेदारों की लंबी लिस्ट से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सम्भावित बगावत के कयास से पार्टी फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रही है।

चमोली की कर्णप्रयाग सीट पर नजर डालें तो भाजपा विधायक सुरेन्द्र सिंह नेगी की दावेदारी स्वाभाविक है, जिन्हें राज्य सभा सांसद अनिल बलूनी के करीबी माने जा रहे राष्ट्रीय मीडिया टीम के सदस्य सतीश लखेडा सहित पूर्व विधायक अनिल नौटियाल, वरिष्ठ भाजपा नेता व सांस्कृतिक प्रकोष्ठ पदाधिकारी टिका प्रसाद मैखुरी, बिकेटीसी के पूर्व सदस्य पत्रकार अरुण मैठाणी व आरएसएस पृष्टभूमि के रमेश गड़िया सहित आधे दर्जन से अधिक भाजपाई चुनौती दे रहे हैं। जब कि ऋतु खंडूड़ी का नाम भी फिजा में तैर रहा है। कांग्रेस में पूर्व राज्य मंत्री सुरेश कुमार बिष्ट की दावेदारी प्रबल मानी जा रही है वहीं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष अनसूया प्रसाद मैखुरी की पत्नी सावित्री मैखुरी, गौचर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुकेश नेगी, कांग्रेस प्रदेस महा मंत्री हरिकृष्ण भट्ट व नंदा राजजात समिति के सचिव भुवन नौटियाल ने दावेदारी पेस की है।

बद्रीनाथ सीट पर विधायक महेंद्र प्रसाद भट्ट की दावेदारी में भाजपा जिलाध्यक्ष रघुबीर बिष्ट, सहकारी बैंक अध्यक्ष गजेंद्र रावत व पूर्व राज्य मंत्री रिपुदमन सिंह रावत सहित कई और भजपाई चुनौती बने हुए हैं। जब कि कांग्रेस में

यही हाल थराली सुरक्षित सीट की है, जहां वर्तमान विधायक मुन्नी देवी के सामने भूपाल राम टम्टा व बलबीर घुनियाल जैसे दिग्गज भजपाई ताल ठोक रहे हैं। ऐसे में देखना बेहद दिलचस्प होगा कि पार्टी किस पर अपना विस्वास जताती है और कौन बगावत की राह पकड़ते हैं। सम्भावना तो यह भी जताई जा रही है कि दोनों पार्टियों में जयचंद भी नजर आएंगे जो पार्टी में रह कर पार्टी प्रत्यासी को निपटाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

एसपी ने किया गैरसैंण के मतदान केंद्रों का निरीक्षण

चमोली (आरएनएस)। एसपी स्वेता चौबे ने गुरुवार को गैरसैंण विकासखंड के कई मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं व आम सुविधाओं का जायजा लिया।

इस दौरान एसपी चमोली ने नगर पंचायत के तहद गांवली बूथ पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इसके बाद एसपी ने जनपद की सीमा पर स्थित पांडुवाखाल एवं नागचुलाखाल पुलिस बैरियर का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर एसपी स्वेता चौबे ने कहा कि मतदान से पूर्व, मतदान के दौरान व मतगणना तक किसी भी प्रकार से मतदान को प्रभावति करने वाले अवैधानिक व अनुचित संसाधनों को कोई प्रयोग न कर सके इसलिए सुरक्षा व्यवस्थाएं चाक चौबद की जा रही हैं। इस दौरान एसओ गैरसैंण सुभाष जखमोला, नपं के सभासद राजेन्द्र शाह व पुलिस के अन्य कर्मी भी मौजूद रहे।

पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को किया ब्रीफ

टिहरी (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव को लेकर एसएसपी नवनीत भुल्लर ने केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवानों सहित स्थानीय पुलिस को ब्रीफ कर कई आवश्यक दिशा–निर्देश दिये ।उत्तराखंड विधानसभा चुनाव–२०२२ को शांति व सफलता से संपन्न कराए जाने को लेकर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने जिले को प्राप्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (बीएसएफ) की कंपनी सहित स्थानीय पुलिस जवानों को गंगा रिजार्ट मुनी की रेती में ब्रीफ करते हुए कहा कि चुनाव ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल को कोविड–१६ के नियमों का पालन करते हुए स्थानीय जनता के साथ मृदुभाषी व्यवहार का पालन करना होगा, जवानों को कोविड–१६ से बचाव को बूस्टर डोज लगवाने के साथ–साथ प्रदेश में लागू आदर्श आचार संहिता से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग के जारी दिशा–निर्देशों के शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को टिहरी पुलिस पूर्ण रूप से तैयार है। जनपद पुलिस चुनाव को प्रभावित करने वाले तत्वों की लगातार निगरानी कर उनके विरुद्ध १०७ व ११६ सीआरपीसी, ११० जी, गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही लगातार कर रही है।

पुलिस अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ सहित अवैध नगदी, परिवहन पर भी लगातार निगरानी कर रही है। साथ ही जनपद पुलिस ने लगभग ७५ प्रतिशत शस्त्रों को जमा करवाने का काम कर दिया है। ४ दिनों के भीतर शत–प्रतिशत शस्त्रों को जमा कराने की कार्यवाही प्रगति पर है। इसके पश्चात भी यदि कोई शस्त्र जमा नहीं करता है, तो उनके लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह, प्रदीप पंत, सिद्धार्थ कुकरेती, रमेश सैनी आदि मौजूद रहे।

जोनल और सेक्टर मजिस्टेटों को दिया प्रशिक्षण

पौड़ी (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव २०२२ में तैनात किए गए जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन सभागार में आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. विजय कुमार जोगदंडे ने प्रशिक्षण में कहा कि लोकतंत्र के पर्व विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, गोपनीयता, पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से निपटाने के लिए अपनी जिम्मेदारियों को भली–भांति समझकर आदर्श आचार संहिता के अनुरूप कार्य करे। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह विभिन्न प्रारूपों में दी जाने वाली सूचनाओं को सही तरह से और त्वरित गति से भेजना सुनिश्चित करें और अपने अपने क्षेत्रों के तहत विभिन्न पोलिंग स्टेशन और मतदान केंद्रों का फिर से अवलोकन करें। कहा कि विधानसभा निर्वाचन को भयमुक्त, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए मतदान केंद्रों पर बारीकी से नजर रखें। कहा कि मतदान प्रक्रिया में यदि किसी भी प्रकार व्यक्ति विशेष, समुदाय विशेष व किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न होने की संभावना रहती है तो उसका तत्काल निराकरण निराकरण करें, जिससे कोई भी सामान्य नागरिक भयमुक्त होकर अपने मतदान का प्रयोग कर सकें। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता, इंडियन पेनल कोड व जन प्रतिनिधित्व अधिनियम जरूरी प्रावधानों का उल्लेख करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसको निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आवश्यकतानुसार उपयोग करने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत आर्य ने भी चुनाव के पिछले अनुभव और विभिन्न उदाहरण के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के दौरान की जाने वाली छोटी बड़ी गलतियों पर प्रकाश डालते हुए निर्देश दिए कि हमें निर्वाचन प्रक्रिया को बहुत ही गंभीरता से लेना है और प्रशिक्षण में आने वाले विभिन्न बिंदुओं के संबंध में यदि किसी भी प्रकार का कोई संदेह है तो उसको दूर करें ताकि दायित्व निर्वहन के दौरान गलती की कोई गुंजाइश ना रहे। कहा कि जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट विधानसभावार के निर्वाचन अधिकारियों व अपनी पोलिंग पार्टियों से निर्वाचन के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे और चुनाव सामग्री की सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। मास्टर ट्रेनर दीपक रावत ने जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट को उनके दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी।

ह्यूमन के जरिये मैंने डॉक्टर के दृष्टिकोण को समझाःकीर्ति कुल्हारी

नई मेडिकल थ्रिलर सीरीज ह्यूमन में डॉ सायरा सबरवाल की भूमिका निभाने वाली कीर्ति कुल्हारी ने बताया कि उनके किरदार ने उन्हें चिकित्सा पेशेवरों के दृष्टिकोण को समझने में मदद की।

कुल्हारी को अभिनेत्री होने पर गर्व है क्योंकि इससे उन्हें कई लोगों के जीवन और पेशेवरों के किरदारों को जीने का मौका मिलता है।

अभिनेत्री ने आगे बताया, डॉक्टर की भूमिका निभाते हुए मैंने एक डॉक्टर होने के पीछे के महान विचार को समझा। डॉक्टर होने का वास्तव में क्या मतलब है, किसी के लिए निस्वार्थ भाव से रहना और उनके दर्द को कम करने में मदद करना, ये जब मैंने इस सीरिज से सीखा है।

एक अभिनेत्री के रूप में अपनी प्रक्रिया को परिभाषित करते हुए, वह कहती हैं, मैं अपने सभी किरदारों को सही से समझने की कोशिश करती हूं, फिर उस पेशे से जुड़े लोगों से मिलती हूं।

कीर्ति ने कहा, अभिनय की सुंदरता है ये कि आप अपने द्वारा निभाए किरदारों से दर्शकों के साथ जुड़ते हो। इससे आप एक बेहतर इंसान बनते हो ।

अजय देवगन इस साल करेंगे धमाका, 'रुद्रा' से लेकर 'मैदान' तक

अक्षय कुमार की तरह ही अजय देवगन भी बॉलिवुड के उन ऐक्टर्स में शुमार हैं जो साल में 5-6 फिल्में करते हैं। साल 2021 में अजय देवगन बतौर ऐक्टर और प्रड्यूसर करीब 5 फिल्में लेकर आए और नए साल यानी 2022 में भी वह बड़ा धमाका करने वाले हैं। अजय देवगन के लिए 2022 बेहद बिजी रहने वाला है।

इस साल भी उनकी एक-दो नहीं बल्कि 6 फिल्में रिलीज होंगी। इसके अलावा वह 'रूद्रा: द एज ऑफ डार्कनेस' के जरिए ओटीटी की दुनिया में भी डेब्यू करेंगे।

आइए आपको बताते हैं कि अजय देवगन 2022 में कौन-कौन से प्रॉजेक्ट लेकर आने वाले हैं और उनमें उनका क्या रोल होगा। अजय साल की शुरुआत साउथ की फिल्म 'काथी' के हिंदी रीमेक के साथ करेंगे।

अजय देवगन इससे पहले 9 साउथ इंडियन फिल्मों के हिंदी रीमेक में काम कर चुके हैं और 'काथी' उनकी 10वीं फिल्म होगी। अजय ने इससे पहले जिन साउथ इंडियन फिल्मों का हिंदी रीमेक किया है, उनमें 'दृश्यम', 'ऐक्शन जैक्सन', 'सिंघम', 'हिम्मतवाला' और 'सन ऑफ सरदार' जैसी फिल्में शामिल हैं।

बात करें अजय देवगन के डिजिटल डेब्यू की तो उनकी सीरीज 'रूद्र: द एज ऑफ डार्कनेस' को डिजिटल की दुनिया की सबसे बड़ी सीरीज बताया जा रहा है और यह फरवरी के आखिर या फिर मार्च 2022 में रिलीज हो सकती है।

फिल्म गहराइयां का नया पोस्टर आया सामने, रिलीज डेट भी बदली

लंबे समय से चर्चा में बनी शकुन बत्रा के डायरेक्शन में बनी फिल्म के नाम का खुलासा कुछ महीनों पहले ही किया गया था, फिल्म के नाम के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस की गई थी। हालांकि अब फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आयी है। जी हां! दरअसल मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है।

इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी, धैर्य कारवा और अनन्या पांडे मुख्य किरदारों में है।

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने जन्मदिन के दिन के खास मौके पर फिल्म के कई नयें पोस्टर जारी किए और साथ ही नयीं रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है।

दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इन पोस्टर्स को शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, आप सभी के सब्र और भरपूर प्यार के लिए यह इस खास दिन पर आप सभी के लिए एक खास तोहफ़ा है। गहराइयां प्राइम पर 11 फरवरी को रिलीज होगी।

सिद्धांत, दीपिका और अनन्या के अलावा इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह और रजत कपूर भी महत्पवूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगें। करण जौहर, जोस्का फिल्म्स और वायकॉम18 स्टूडियोज के बैनर तले फिल्म को प्रोड्यूस किया गया है।

इस फिल्म का एक्सक्लूसिव वर्ल्ड प्रीमियर 11 फरवरी, 2022 को होगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

किडनी को स्वस्थ रखने में सहायक हैं लहसुन!

किडनी शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है और शरीर की कई प्रक्रियाओं में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसलिए किडनी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है क्योंकि इसके कमजोर पड़ जाने पर शरीर के कई कार्य रुक जाएंगे और गंभीर बीमारियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। किडनी को स्वस्थ रखने में कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। चलिए फिर ऐसे ही कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं।

लहसुन

लहसुन में बहुत गुणकारी एंटी-माइक्रोबायल एजेंट पाए जाते हैं, जो किडनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और आपको किडनी से जुड़ी कई बीमारियों से राहत दिला सकता है। इसके लिए रोजाना लहसुन को छोटे टुकड़ों में काटकर या उसे बारीक कद्दूकस करके कच्चा चबा सकते हैं। अगर आपको इसे कच्चा खाने में किसी तरह की परेशानी का अनुभव हो रहा है तो आप इसे अपनी सब्जी या फिर चटनी में भी शामिल कर सकते हैं।

उच्च प्रोटीन युक्त आहार

प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन भी किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में मदद कर सकता है और इसे कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान कर सकता है। डाइट में प्रोटीन युक्त आहार को शामिल करने का सबसे बड़ा फायदा है कि ये शरीर में मजबूती बनाए रखने में भी सहायक है। साबुत अनाज, ब्रोकोली, गाजर, स्वीटकॉर्न, शकरकंद, बीन्स, दाल, मेवे और खाद्य बीज आदि प्रोटीन युक्त होते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, मेथी और बथुआ जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां न सिर्फ फाइबर का बेहतरीन स्रोत होती हैं, बल्कि ये विटामिन-सी, विटामिन- के, विटामिन- ए और फोलेट जैसे पोषक तत्वों से भी समृद्ध होती है, जो किडनी को दुरुस्त रखने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां शरीर की कई जरूरतों को भी पूरा कर सकती हैं और कई तरह की बीमारियों और संक्रमण से बचाकर रखने में भी मदद कर सकती हैं।

ब्लूबेरीज

ब्लूबेरीज को डाइट में शामिल करना भी किडनी के लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकता है क्योंकि ये एंथोसायनिन फ्लेवोनोइड और पॉलीफेनोल गुणों से भरपूर होती हैं, जो एंटीऑक्सीडेंट की तरह कार्य करते हैं। इसके साथ ही इसमें विटामिन-सी और अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व किडनी को स्वस्थ रखने, ब्रेन फंक्शन में सुधारने, हड्डियों को मजबूत करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार सिद्ध हो सकते हैं।

बिपाशा बसु ने बड़े ही खास अंदाज में मनाया अपना 43वां जन्मदिन

बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉटेस्ट एक्ट्रेसेस में से एक बिपाशा बसु ने इस वर्ष 7 जनवरी को अपना 43वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। बिपाशा 43 साल की हो गई है, लेकिन उनकी फिटनेस और उनके मिजाज को देखकर उनकी उम्र का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता है।

बिपाशा ने अपना 43वां जन्मदिन बहुत ही खास अंदाज में मनाया है। जिसकी कुछ तस्वीरें और वीडियोज उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए है। जिसमें वे अपने हबी करण के साथ केक कट करती नजर आ रहीं हैं।

बिपाशा ने अपने जन्मदिन सेलिब्रेशन का कई पोस्ट साझा किया है। जिसमें वे ढेर सारे गुब्बारों के बीच मस्ती करते नजर आ रहीं हैं। किसी वीडियो में वे जमकर डांस कर रहीं हैं तो किसी वीडियो में अपनी पति करण ग्रोवर के साथ अपने इस खास दिन को इंज्वाय कर रहीं हैं।

बिपाशा के इन पोस्ट पर उनके दोस्त और उनके चाहने वालों के जमकर कमेंट्स आ रहें हैं। सभी बिपाशा को जन्मदिन की बधाइयाँ दे रहें हैं।

वहीं करण ने अपनी वाइफ के लिए बहुत ही प्यार भरा मैसेज लिखा था। उन्होंने लिखा था, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं मेरी प्यारी प्यारी मंकी बेबी! आपके जीवन का हर पल खुशी और प्यार और हंसी से भरा हो। बेबी मैं तुमसे प्यार करता हूं। जन्मदिन मुबारक हो।

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

टेलीविजन डेब्यू को लेकर जिमी शेरगिल ने की बात

अभिनेता जिमी शेरगिल ने अपने टेलीविजन डेब्यू के बारे में चल रही खबरों के बारे में बात करते हुए कहा कि अभी कुछ भी बताना जल्दबाजी होगी क्योंकि उनकी ओर से कुछ भी फाइनल नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उड़ारियां के निर्माता, सरगुन मेहता और रवि दुबे एक नए शो के साथ आने के लिए तैयार हैं, जिसका शीर्षक स्वर्ण मंदिर है, जो एक पारिवारिक ड्रामा है। यह एक ऐसे जोड़े के बारे में है, जिन्हें उनके बच्चों ने बुढ़ापे में अकेला छोड़ दिया है।

निर्माताओं ने मुख्य भूमिका निभाने के लिए जाने-माने अभिनेता अमन वर्मा और बाद में जिमी से शो के लिए संपर्क किया है। लेकिन जिमी ने कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है और न ही अमन ने शो के लिए हां कहा है।

जिमी ने बताया कि सरगुन और रवि ने सिर्फ आइडिया सुनाया है।

उन्होंने कहा कि मैंने कई साल पहले सरगुन के साथ एक पंजाबी फिल्म जिंदुआ की है, इसलिए मैं उन दोनों को काफी लंबे समय से जानता हूं। उन्होंने मुझे एक आइडिया सुनाया लेकिन उससे आगे कोई अनुबंध अभी तक साइन नहीं किया गया है। यह बहुत जल्दी है। कुछ भी कहो क्योंकि चीजें आगे नहीं बढ़ी हैं। मुझे नहीं पता कि यह खबर कैसे फैली। वास्तव में, मैं भी हैरान हूं कि बिना किसी पुष्टि के, ये खबरें इधर-उधर फैल रही हैं।

टेलीविजन शो करने में अपनी रुचि के बारे में, अभिनेता कहते हैं कि मैं योर ऑनर जैसी फिल्मों और वेब शो में व्यस्त रहा हूं, इसलिए एक टेलीविजन धारावाहिक करना, वह भी अगर यह वर्षों तक जारी रहे तो संभव नहीं है। बेशक, अगर कुछ दिलचस्प होता है और थोड़े समय के लिए आता है, मैं इसका हिस्सा बनने के बारे में सोच सकता हूं।

जिमी ने अपने करियर की शुरूआत फिल्म माचिस से की और बाद में मोहब्बतें, मेरे यार की शादी है, मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी फिल्में कीं और वेब शो में भी काम किया, जिनमें से एक योर ऑनर है।

अतुल सभरवाल की बर्लिन में मुख्य भूमिका निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना 2022 की शुरूआत अतुल सभरवाल की अगली फिल्म बर्लिन से करेंगे, जो एक रोमांचक सस्पेंस थ्रिलर है। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका में होंगे। धोखा राउंड डी कॉर्नर के बाद इस जॉनर में अभिनेता की यह दूसरी फिल्म होगी और यह इसी महीने रिलीज होगी। इसकी शूटिंग प्रमुख शहरों दिल्ली, आगरा और भोपाल में की जाएगी।

अपारशक्ति ने कहा, मैं अब सेट पर आने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता।

साल 2021 मेरे लिए अनुभवों से भरा रहा है। एक पॉजिटिव नोट पर मुख्य भूमिका निभाने की अपनी यात्रा शुरू करने के साथ, मुझे अलग-अलग, गंभीर शैलियों का पता लगाने का अवसर भी मिला, जो कि मैं पहले दिन से करना चाहता था। वहां पहुंचने में मेरी मदद अतुल सभरवाल से बेहतर और कौन कर सकता था?

अपने निर्देशक की प्रशंसा करते हुए, अपारशक्ति ने अतुल के पिछले प्रोजेक्ट को याद किया। मैंने अतुल सर के काम का बहुत बारीकी से पालन किया है और मैं बेझिझक उनपर भरोसा करता हूं, खासकर जब इस मुश्किल शैली में कहानी कहने की बात आती है। मुझे अभी तक याद है कि माई वाइफ्स मर्डर अपने समय से आगे की फिल्म थी। उन्होंने आगे कहा, पंकज त्रिपाठी अभिनीत पाउडर को पसंद किया गया और क्लास ऑफ 83 की उनकी आखिरी कृति से पता चलता है कि वह अपने शिल्प के साथ कितने अच्छे हैं। वह इस शैली के लिए आवश्यक बारीकियों को खूबसूरती से पकड़ते हैं और मैं उनके लिए इस परियोजना का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं।

पूजा हेगड ने रेड स्पोर्ट्स ब्रा में वर्कआउट करते वीडियो किया शेयर

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे फिट एक्ट्रेस में से एक हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस का नमूना भी फैंस संग शेयर करती रहती हैं. भले ही पूजा हेगड़े एक साउथ एक्ट्रेस हैं और हिंदी फिल्मों में कम ही नजर आती हैं मगर हिंदी ऑडियंस के बीच भी एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग है. हाल ही में पूजा हेगड़े ने वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है. वीडियो में उनका बोल्ड लुक नजर आ रहा है.

शेयर किए गए वीडियो में एक्ट्रेस के साथ फिटनेस ट्रेनर भी नजर आ रहे हैं. वे पूजा को एक्सरसाइज के स्टेप्स सिखा रहे हैं और पूजा उन्हें फॉलो करती नजर आ रही हैं. पूजा ने रेड कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और बॉडी फिटिंग पैंट्स पहनी हुई है.वे एक्सरसाइज करने को लेकर बेहद डेडिकेटेड नजर आ रही हैं. वीडियो को कुछ ही घंटों में 4 लाख लोग लाइक कर चुके हैं.

वर्क फ्रंट की बात करें तो पूजा हेगड़े इस समय राधे श्याम फिल्म को लेकर चर्चा में हैं जिसमें वे साउथ सुपरस्टार प्रभास संग नजर आएंगी. इसके अलावा वे मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म आचार्य, ब्लैक कॉमेडी फिल्म बीस्ट और रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस में नजर आएंगी. फिल्म में रणवीर सिंह का डबल रोल होगा.

आलिया भट्ट ने सात साल पहले ही साइन कर ली थी ब्रह्मास्त्र

निर्माता करण जौहर पिछले काफी समय से फिल्म ब्रह्मास्त्र को लेकर सुर्खियों में है। आए दिन फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। हाल ही में करण ने बताया कि आलिया भट्ट ने सात साल पहले यह फिल्म साइन कर ली थी। वह तभी से इस प्रोजेक्ट की तैयारी में लगी हैं। आलिया और रणबीर कपूर ने फिल्म में खुद को पूरी तरह से झोंक दिया है।

करण ने कहा, रणबीर ने ब्रह्मास्त्र को सात साल दिए हैं। आलिया ने भी बिना किसी सवाल और शिकायत किए सात साल मेरी इस फिल्म को दिए। सरकारें बदल गईं, लेकिन ब्रह्मास्त्र का काम जारी रहा। आलिया तो इस फिल्म के साथ ही बड़ी हुई हैं। उन्होंन कहा, जब आलिया ने यह फिल्म साइन की थी तो वह 21 साल की थीं। अब वह 28 साल की हैं और जब फिल्म रिलीज होगी तो वह 29 साल की होंगी।

करण ने आलिया को फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में लॉन्च किया था। इसके बाद भी वह 2 स्टेट्स, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, कपूर एंड सन्स, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, राजी और कलंक जैसी कई फिल्मों में करण के साथ काम कर चुकी हैं।

करण ने कहा, आलिया और रणबीर ने इस फिल्म में अपने किरदार के साथ इंसाफ करने के लिए जी-तोड़ मेहनत की है। पिछले सात सालों में दोनों का समर्पण और जुनून देखने लायक था। उन्होंने कहा, कहने को आसान है कि निर्देशक अयान मुखर्जी पिछले सात साल से इस पर काम कर रहे हैं, लेकिन मैंने अपनी आंखों से इस फिल्म के लिए उन्हें खून, पसीना बहाते देखा है। अयान ने फिल्म के लिए अपना सब कुछ दिया है।

रणबीर और आलिया के साथ ब्रह्मास्त्र में अमिताभ बच्चन, डिंपल कपाडिया, नागार्जुन और मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म में अमिताभ का किरदार भगवान ब्रह्मा से और नागार्जुन का किरदार भगवान विष्णु से जुड़ा होगा।

ब्रह्मास्त्र का पहला पार्ट इस साल 9 सितंबर को हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड और मलयालम में रिलीज होगा।

फिल्म लूप लपेटा में धुआंधाड़ ऐक्शन करते नजर आएंगे ताहिर राज भसीन

बॉलीवुड के प्रतिभाशाली एवं चर्चित अभिनेता ताहिर राज भसीन की आगामी ऐक्शन फिल्म लूप लपेटा की रिलीज डेट तय कर दी गई हैं। यह फिल्म अगले महीने 04 फरवरी 2022 को ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस बात की जानकारी स्वयं ताहिर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट साझा करके दी।

ताहिर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से फ़िल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा कि, सवि यही एक तरीका जिससे हमें पता चल सकता हैं कि प्यार की जीत समय की परीक्षा के अनुसार होती हैंमेरा हाथ पकड़ो और इस मजेदार यात्रा पर चलने के लिए तैयार हो जाओ-सत्या। आप सभी के सामने फिल्म लूप लपेटा को लाने के लिए, बहुत उत्साहित हूं। यह फिल्म 4 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही हैं।

इस फिल्म में ताहिर और तापसी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आकाश भाटिया द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म को प्रोड्यूस सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया द्वारा किया गया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर अगले महीने 4 फरवरी 2022 को रिलीज हो रही हैं।

बता दें कि, यह पहली बार होगा कि ताहिर और तापसी पन्नू किसी फ़िल्म में साथ में स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे।आपको बता दें कि, ताहिर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत किस्मत लव दिल्ली से की जिसके बाद उन्होंने काय पो छे में भी एक छोटा सा किरदार निभाया। ताहिर को असल पहचान फिल्म मर्दानी में निगेटिव किरदार निभाने पर मिली। जिसके बाद उन्होंने फोर्स 2 और मंटो में भी अहम किरदार निभाया। लेकिन उनको स्टारडम 2019 में आयी फिल्म छिछोरे से मिला। वर्कफ्रंट की बात करे तो ताहिर आखिरी बार फिल्म 83 में अहम किरदार निभाते हुए नजर आए थे। वे लूप लपेटा के अलावा ये काली काली आंखे और रंजिश ही सही में मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

रणवीर अभिनीत सर्कस की रिलीज डेट नहीं हुई घोषित

रणवीर सिंह आने वाले दिनों में फिल्म सर्कस में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी कर रहे हैं। हाल में खबर आई थी कि यह फिल्म इस साल 15 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब रणवीर के प्रशंसकों के लिए एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खुद रोहित ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि उन्होंने अपनी फिल्म सर्कस की रिलीज डेट घोषित नहीं की है।

रोहित ने बताया कि उन्होंने अभी तक सर्कस की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है। फिल्ममेकर रोहित ने कहा, हमने सर्कस की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि हम 15 जुलाई, 2022 को फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने जा रहे हैं। हम अभी भी रिलीज डेट पर विचार कर रहे हैं और सही तारीख मिलने पर जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे।

रोहित ने आगे बताया कि वह किसी भी तारीख को सर्कस की रिलीज डेट की घोषणा कर सकते थे, क्योंकि उन्हें पहले से पता था कि थिएटर खुलने वाले हैं। उनका मानना है कि उन्होंने छह-सात महीनों के लिए अन्य निर्माताओं को मौका दिया है।

यह फिल्म बनकर तैयार है और इसी महीने की शुरुआत में इसका आखिरी शेड्यूल पूरा किया गया था। उनका कहना है कि बहुत अधिक फिल्मों के बीच ओवरलैपिंग अच्छी बात नहीं है।

रोहित ने बताया कि आरआरआर, रनवे 34 और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों से पहले वह सर्कस को सिनेमाघरों में नहीं उतारेंगे। उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से जुलाई-अगस्त से पहले फिल्म को लेकर नहीं आऊंगा, ताकि अन्य निर्माताओं को कम-से-कम छह महीने का समय मिल सके। हाल ही में समीक्षक तरण आदर्श ने इस फिल्म की रिलीज डेट साझा की थी। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर रिलीज डेट के बारे में बताया था।

सिम्बा और सूर्यवंशी के बाद रोहित और रणवीर तीसरी बार सर्कस में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, पूजा हेगड़े और वरुण शर्मा भी नजर आएंगे। कोरोना महामारी के कारण कई बार सर्कस की शूटिंग रोकनी पड़ी थी। सर्कस को रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी-सीरीज के सहयोग से निर्मित किया जाएगा। फिल्म में रणवीर और वरुण डबल रोल में दिखेंगे। फिल्म के एक गाने में दीपिका पादुकोण मीनाम्मा की भूमिका में दिखेंगी।

यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक द कॉमेडी ऑफ एरर्स का रूपांतरण होगा। फिल्म में दो जुड़वा मालिक और दो जुड़वा नौकरों की कहानी को दिखाया जाएगा, जो बचपन में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं। इसके बाद जब बड़े होकर आपस में मिलते हैं, तो उनकी केमिस्ट्री शानदार होती है। इस फिल्म में जैकलीन और पूजा के अलावा जॉनी लीवर भी अभिनय करते नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल नवंबर में शुरू की गई थी।

अफगानिस्तान में गहरी पैठ बनाने के मंसूबे

जी. पार्थसारथी

इमरान खान पाकिस्तान के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और उनकी जगह लेने की महत्वाकांक्षा रखने वाले और अपने चहेते पूर्व आईएसआई मुखिया ले. जनरल फैज़ हमीद के बीच रार पैदा करवाने की 'शोहरत' हासिल की है। बाजवा का कार्यकाल 1 नवंबर, 2022 तक है। यह फैज़ हमीद वही हैं जिन्होंने अफगानिस्तान पहुंचकर आईएसआई के कुख्यात चेले हक्कानी नेटवर्क का प्रयोग करके मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को बेदखल कर काबुल से कंधार जाने को मजबूर कर अंतर्राष्ट्रीय कुख्याति पाई थी। जबकि बरादर का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय था। तत्पश्चात तत्कालीन इस आईएसआई प्रमुख की भागीदारी और उपस्थिति में अफगानिस्तान की नई काबीना को शपथ दिलवाई गई। जाहिर है इमरान खान को इस तमाम कार्रवाई का इल्म था और समर्थन भी, लेकिन यह करवाना खुद के लिए नई समस्या पैदा करना था। ऐसी कोई वजह नहीं कि ले. जनरल फैज हमीद की जगह बने नए आईएसआई प्रमुख ले. जनरल नदीम अहमद अंजुम भी अपने पूर्ववर्ती की तरह इमरान खान की धुन पर खुशी-खुशी नाचेंगे।

यह सब उस समय हो रहा है जब बांग्लादेश पाकिस्तानी शिकंजे से निजात लेकर पाई आज़ादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। पाकिस्तान की सोच थी कि बांग्लादेश विदेशी खैरात पर पलने वाला एक भिखारी मुल्क बनकर रह जाएगा। आज अधिकांश आर्थिक सूचकांकों में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पछाड़ दिया है। यह छवि खुद को दुनियाभर के कट्टर इस्लामिक संगठनों का अग्रणी चैंपियन होने का दिखावा करने वाले पाकिस्तान से एकदम जुदा है।

कुछ पाकिस्तानी जैसे कि नामचीन भौतिक विज्ञानी परवेज़ हुडबॉय का कहना है, 'आज कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि बांग्लादेश अगला एशियन टाइगर होने जा रहा है। पिछले साल उसकी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी, जो भारत के 8 फीसदी के बराबर है और पाकिस्तानी की 5.8 प्रतिशत से काफी ऊपर। आज एक बांग्ला नागरिक पर कर्ज औसतन 434 डॉलर है जो एक पाकिस्तानी के सिर चढ़े 974 डॉलर के आधे से कम है। बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार 32 बिलियन डॉलर है जो कि पाकिस्तान के 8 बिलियन डॉलर से चार गुणा है। हकीकत में पाक का विदेशी मुद्रा भंडार बांग्लादेश का एक-चौथाई तो 640 बिलियन डॉलर वाले भारत का महज 1.2 फीसदी है।'

दुनिया को ताजुब्ब हुआ कि अफगानिस्तान के पांच पड़ोसी मुल्क- कज़ाखस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्केमेनिस्तान, किर्गिज़्स्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में हुए इस्लामिक देशों के सम्मेलन को बीच में छोड़कर नई दिल्ली में आयोजित विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने को रवाना हो गए थे। भारत ने यह वार्ता अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बाद पैदा हुई समस्याओं पर क्षेत्रीय सहयोग पर विमर्श को बुलाई थी। इस्लामाबाद वाले सम्मेलन का उद्घाटन इमरान खान ने किया था। हालांकि जिन देशों ने शिरकत करी, उनसे सउदी अरब के अलावा आयोजन हेतु मदद पाने की उम्मीद ज्यादा नहीं थी, उसे बतौर अंतर्राष्ट्रीय इस्लामिक संगठन संस्थापक इमदाद करनी पड़ी।

इमरान खान के शासन में पाकिस्तान ने तालिबान राज से पैदा हुई वैश्विक चिंताओं पर, खुद को राजनयिक तौर पर धुरी पेश कर, हर संभव तरीके से भुनाने की कोशिश की है। लेकिन अपनी घरेलू समस्याओं की वजह से इमरान खान के समक्ष अनेकानेक गंभीर चुनौतियां हैं। इमरान खान का एक तरह से तालिबान का प्रवक्ता बनकर उसकी रूढ़ियों को जायज ठहराना, मसलन, महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के मौकों से महरूम रखना, निश्चित तौर पर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी व खुद कई इस्लामिक मुल्कों को यह रुख पसंद नहीं आया है। सबसे महत्वपूर्ण है जरूरी वस्तुओं की किल्लत झेल रहे अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय सहायता पहुंचाना। भारत, ईरान और मध्य एशियाई सहयोगी देश उपाय करके, ईरान के चाबहार बंदरगाह का ज्यादा इस्तेमाल करते हुए अफगानिस्तान तक सामग्री-आपूर्ति गलियारा बना सकते हैं। ब्लूचिस्तान के लोगों में पाकिस्तान और खासकर उसका 'सदाबहार' दोस्त चीन लोकप्रिय नहीं हैं। मछली पकड़ने वाली चीनी नौकाओं द्वारा ब्लूचिस्तान के तटों के काफी नजदीक आकर स्थानीय मत्स्य खजाने में सेंध लगाने से खफा हुए बलूचों से निपटने में पाकिस्तान को बहुत मशक्कत करनी पड़ती है।

इमरान खान के लिए 2023 के आम चुनाव के मद्देनज़र आगामी दो साल बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे भी पहले, सेनाध्यक्ष बाजवा नवम्बर, 2022 में सेवानिवृत्त होने को अग्रसर हैं, अगले सेना प्रमुख का फैसला बहुत अहम होगा । इमरान खान और बाजवा के बीच संबंध पहले काफी मधुर थे लेकिन हाल ही में मतभेद उभरकर सार्वजनिक हो गए जब इमरान खान ने बाजवा द्वारा अपने चहेते और पूर्व आईएसआई प्रमुख ले. जनरल फैज़ हमीद की बदली बतौर कोर कमांडर करने वाले आदेश पर दस्तखत करना टाले रखा। हालांकि बाद में किरकिरी करवाकर अंततः इमरान खान को बाजवा के नामांकित ले. जनरल नदीम अहमद अंजुम की नियुक्ति बतौर आईएसआई प्रमुख स्वीकार करनी पड़ी। अमेरिका के 'आतंक के खिलाफ' युद्ध में भूमिका निभाने के पाकिस्तानी दावों के बावजूद उस पर तालिबान की अंदरखाते मदद करने के इल्जाम लगातार जारी रहे थे। इस लड़ाई में मदद के नाम पर दो दशकों तक अमेरिका को आर्थिक एवं सैन्य रूप से दुहने वाला पाकिस्तान आज खुद को अमेरिका से हताश हुआ बता रहा है। जबकि ज्यादातर अमेरिकियों को अहसास है कि वे पाकिस्तान की दोहरी चाल के शिकार बने रहे।

भारत ने अफगानिस्तान में अमेरिका के उक्त 'आतंक के खिलाफ' युद्ध में सैन्य शिरकत न करके सही किया था, हालांकि निर्वाचित अफगान सरकार को रक्षा एवं आर्थिक सहायता प्रदान जारी रखी थी। राष्ट्रपति बाइडेन आज भी पाकिस्तान के प्रति गर्मजोशी रखते हैं। उन्होंने बहुप्रचारित लोकतंत्र शिखर सम्मेलन में भाग लेने को पाकिस्तान को आमंत्रित किया, जबकि पाकिस्तान के राष्ट्रीय जीवन में सेना सदा मुख्य खिलाड़ी रही है। जबकि बाइडेन ने दक्षिण एशिया के स्थापित लोकतंत्र जैसे कि श्रीलंका और बांग्लादेश को बुलाना सही नहीं समझा। लेकिन इमरान खान ने यह निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। राष्ट्रपति पुतिन की हालिया भारत यात्रा से साफ हो गया है कि भारत अपनी सामरिक सार्वभौमिकता शिद्दत से कायम रखेगा। सामरिक भागीदारी किससे रखनी है या नहीं, यह निर्णय भारत बाइडेन के दबाव में आकर नहीं लेगा।

रोचक यह भी है कि तालिबान सैनिकों ने हाल ही में पाक-अफगान अंतर्राष्ट्रीय सीमा- ड्यूरंड रेखा- पर बाड़ लगाने के पाकिस्तानी यत्नों को विफल कर दिया है। यह सीमा रेखा ब्रिटिश साम्राज्य ने अफगानिस्तान पर थोपी थी। अफगान रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता एनातुल्लाह ख्वारिज़्मी ने पाकिस्तानी सीमा बाड़ को अवैध ठहराया है। आगे यह देखना मजेदार होगा कि पाकिस्तान और उसका तैयार किया तालिबान चेला सिराजुद्दीन हक्कानी 2600 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा पर इस किस्म के सीमा संबंधी विवादों पर कैसी प्रतिक्रिया रखेंगे।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

सू- दोकू क्र. 90

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 89 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	8/2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

चूक या लापरवाही

निस्संदेह, यह गंभीर चिंता की बात ही कही जायेगी कि कार्यपालिका के शीर्ष व्यक्ति का काफिला बीस मिनट तक एक ओवरब्रिज पर बंधक जैसी स्थिति में खड़ा रहे। इसे सिर्फ चूक नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही ही कहा जायेगा कि लगातार भारत विरोधी गतिविधियों में दशकों से लिप्त रहने वाले देश की सीमा से कुछ किलोमीटर दूरी पर प्रधानमंत्री का काफिला असहाय जैसी स्थिति में नजर आये। साथ ही वे पूर्व निर्धारित रैली में भाग लिये बिना वापस लौट जायें। निस्संदेह, बुधवार को बठिंडा से राष्ट्रीय शहीद स्मारक के लिये निकले प्रधानमंत्री के काफिले के रूट की जानकारी पंजाब सरकार व पुलिस को रही होगी। बताया जाता है कि बारिश व कम दृश्यता के चलते प्रधानमंत्री ने सड़क मार्ग से जाने का फैसला लिया था। सवाल यह कि जब विरोध करने वाले किसान इतने कम समय में विरोध के लिये जुट सकते हैं तो पुलिस इस बाबत जानकारी क्यों नहीं जुटा पायी। फिर जानकारी प्रधानमंत्री के काफिले के सुरक्षा अधिकारियों को क्यों नहीं दी गई। राजनीतिक विरोध अपनी जगह होता है लेकिन देश के शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा से कदापि समझौता नहीं किया जा सकता। खासकर पंजाब जैसे राज्य में जहां विगत में अशांति का लंबा दौर चला हो, वहां देश के विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में कतई कोताही नहीं बरती जा सकती। एक साल चले किसान आंदोलन में किसानों ने संयम व शांतिपूर्ण व्यवहार का ही प्रदर्शन किया। कमोबेश उनकी सभी मांगें मान भी ली गईं, फिर इस तरह से प्रधानमंत्री का रास्ता रोकना गरिमामय व तार्किक नहीं लगता। मामले में गृह मंत्रालय ने भी रिपोर्ट मांगी है और जवाबदेही तय करने की बात कही है। जैसा कि तय था, इस मुद्दे पर राजनीति होनी ही थी। जहां इस मुद्दे पर भाजपा आक्रामक नजर आ रही है और राज्य की कांग्रेस सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है वहीं कांग्रेस फिरोजपुर रैली में भीड़ न जुटने की बात कहकर प्रधानमंत्री के वापस लौटने की बात कर रही है।

एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब की कांग्रेस सरकार को चूक का दोषी बताते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रहे हैं, वहीं कुछ कांग्रेसी नेता भी घटना को गलत मान रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुनील जाखड़ ने बुधवार की घटना को पंजाबियत के खिलाफ बताया। कहा कि यदि प्रधानमंत्री राजनीतिक रैली को संबोधित करने वाले थे तो सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए था। यही लोकतांत्रिक परंपरा की दरकार भी है। निस्संदेह इस चूक के कारणों की पड़ताल होनी चाहिए। विगत में हमने ऐसी चूक के चलते एक प्रधानमंत्री व एक पूर्व प्रधानमंत्री को खोया है। ऐसे में एक राज्य जहां पड़ोसी देश की विध्वंसक गतिविधियां लगातार चलती रहती हैं, वहां हमें विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहिए। निस्संदेह, घटनाक्रम का सच सामने आना ही चाहिए। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा चूक के बाबत जानकारी दी। राष्ट्रपति ने भी गंभीर चूक पर चिंता जतायी। साथ ही उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मामले में फिक्र का जिक्र किया। इससे पहले प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि कैसे पंजाब पुलिस व खुफिया विभाग को उस रास्ते की स्थिति की जानकारी नहीं थी, जिससे काफिला गुजरना था। अगर किसान धरना दे रहे थे तो उन्हें हटाया क्यों नहीं गया। साथ ही काफिले के सुरक्षा अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। सवाल यह भी कि काफिले का मार्ग बदलने की सूचना तत्काल आंदोलनकारियों को कैसे मिली। इतनी जल्दी वे इतनी बड़ी तादाद में कैसे एकत्र हो गये। वहीं सुरक्षा जानकार भी मान रहे हैं कि पाकिस्तान बॉर्डर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर प्रधानमंत्री का एक जगह पंद्रह-बीस मिनट फंसे रहना खतरनाक हो सकता था। निस्संदेह, प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी की होती है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की भी बनती है। वैसे भी सुरक्षा कारणों से विशिष्ट लोगों के रूट तो अचानक बदले भी जाते हैं और तत्काल सुरक्षा की तैयारी भी की जाती है। (आरएनएस)

धूम मचा रहा है पहाड़ी गीत, लॉन्च होते ही छाया

संवाददाता

देहरादून। गायक संदीप ढौंडियाल और ने कहा कि पहाड़ी गीतों में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ाव रखते हुए हमेशा नए- नए प्रयोग करने चाहिए। जिससे हमारी पुरानी व नई पीढ़ी दोनों अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर सकें। गायक संदीप ढौंडियाल और रचना भंडारी ने कहा कि पहाड़ी गीतों में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ाव रखते हुए हमेशा नए- नए प्रयोग करने चाहिए। जिससे हमारी पुरानी व नई पीढ़ी दोनों अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर सकें।

आज बर्मिकौल यूट्यूब चैनल पर पहाड़ी गीत लॉन्च किया गया। जिसके लांच होते ही दर्शकों से इसे भरपूर सराहना मिल रही है। गीत के बोल हुण्या छांछी कु एक गराक हैं। जिसके लेखक रमेश चंद्र ढौंडियाल हैं। वहीं इसमें उत्तराखंड के जाने-माने म्यूजिक डायरेक्टर गुंजन गंगवाल ने संगीत दिया है। गाने में एक सामाजिक संदेश देने के साथ ही वीडियो की बारिकियों के ऊपर किया गया काम इसे बाकी गानो से अलग बना रहा है। गाने को किसी मुहावरे की तरह लिखा गया है। जिसे पहाड़ी में पखणे कहा जाता है। गाना रिलीज होने के मौके पर गायक संदीप ढौंडियाल और रचना भंडारी ने कहा कि पहाड़ी गीतों में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ाव रखते हुए हमेशा नए- नए प्रयोग करने चाहिए। जिससे हमारी पुरानी व नई पीढ़ी दोनों अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर सकें। वहीं इस मौके पर उन्होंने पहाड़ी गानों मे फूहड़ता के चलन को संस्कृति के लिए खतरा बताते हुए नाराजगी जताई।

जादू-टोने के चक्कर में हुई बाबा की पिटाई!

संवाददाता

देहरादून। जादू-टोना करने के वहम में महिला ने मांगने वाले बाबा की जमकर पिटाई कर दी जिसके बाद उसने वहां से भागकर अपनी जान बचाई।

मिली जानकारी के अनुसार मन्नूगंज निवासी महिला को कुछ दिन पहले अपने आंगन में एक पोटली पड़ी मिली जिसमें रखी सामग्री से उसको यह अंदेशा हुआ कि किसी ने उसके घर पर टोना टोटका करके पोटली फेंकी हैं। जिसके बाद उसने अपने घर पर बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो एक मांगने वाले बाबा को पोटली उसके घर के अन्दर फेंकते हुए देखा गया। जिसके बाद से ही महिला उस मांगने वाले की तलाश में थी।

आज मकर संक्रांति के दौरान वही मांगने वाला एक बार फिर महिला के दरवाजे पर पहुंच गया और उसकी पहचान होते ही महिला ने सरिया उठाया और मांगने वाले की पिटाई शुरू कर दी। शोच सुनकर आसपास के लोग भी वहां पर एकत्रित हो गये और किसी तरह से मांगने वाले को महिला के चंगुल से बचाया। महिला के चंगुल से बचते हुए वह वहां से भाग खडा हुआ जिसके बाद मामला शांत हो गया।

स्मैक तस्करी में तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त तीन लोगों को पुलिस ने कल देर शाम 11 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना नेहरूकालोनी पुलिस को सूचना मिली कि कुछ नशा तस्कर क्षेत्र में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को नंदादेवी कालोनी बद्रीपुर जोगीवाला के समीप एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार में मौजूद तीन लोग कार छोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 11 ग्राम स्मैक बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम बलविंदर उर्फ बग्गा, सुखदीप व नरेश कुमार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

मालचंद फिर भाजपा में आने..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

उम्मीदवार बनाया नहीं जा सकता है। भाजपा किसे खड़ा करने वाली है और किसे किनारे लगाने वाली है यह अब आने वाला समय ही बताएगा, इतना तय है कि दोनों में से किसी एक को धोखा मिलना तय है। रही बात जीत हार की तो वह अभी बहुत दूर की बात है। राज्य में नेताओं की अवसरवादिता का आलम यह है कि टिकट के लिए वह किसी को छोड़ने और किसी के साथ भी जुड़ने को तैयार हैं। बस नेता जी को टिकट मिलना चाहिए। मालचंद भाजपा में जाते हैं या नहीं अथवा भाजपा उन्हें टिकट देती है या नहीं यह आने वाला समय ही बताएगा

पैगारी पर रोक नहीं दावे शराब तस्करी पर लगाम लगाने के

संवाददाता

देहरादून। पुलिस विभाग जनपद में अवैध शराब की बिक्री पर लगाम लगाने के दावे करता रहता है लेकिन उनके क्षेत्र से ही होने वाली पैगारी (सुबह चार बजे से पांच बजे के बीच शराब के ठेकों से निकलने वाली शराब की खेप) पर रोक लगाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा विभाग फिर ऐसे दावे कैसे कर सकता है यह काफी सोचने का विषय है।

गौरतलब है कि राजधानी में जो भी पुलिस अधिकारी अपना कार्यभार सम्भालता है तो वह यही दावे करता है कि वह जनपद में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णरूप से लगाम लगायेगा। उसके इस प्रकार के दावे करने के बाद जनपद की थाना चौकी पुलिस भी अपने आप को तेज तर्रार साबित करते हुए दस व बीस पव्वों के साथ लोगों को गिरफ्तार कर तस्वीरें खींचवाकर अधिकारी की गुड बुक में आने का कार्य करना शुरू कर देते हैं। जबकि सोचने वाली बात है कि जिनसे वह दस व बीस पव्वे पकडते हैं वह पव्वे उनके पास से कहां से आये यह भी स्थानीय थाना चौकी पुलिस को पता होता है लेकिन वह उस माध्यम को पकडने से गुरेज करते हैं ऐसा क्यों यह बात उनसे अधिकारी भी नहीं पूछते हैं। जनपद के सभी थाना चौकी के पुलिस कर्मी अच्छी तरह से जानते हैं कि गली महौल्ले में चोरी छुपे से बिकने वाली शराब कहां से आती है और किस समय आती है यह भी उनको पता है। यह शराब पैगारी के माध्यम से पहुंचती है। यह बात सभी को पता है कि अधिकांश शराब के ठेके वाले अपना माल काटने के लिए पैगारी के जरीए अपनी शराब दूसरे क्षेत्रों में पहुंचाते हैं। सुबह चार बजे से पांच बजे के बीच वाहनों के जरीए शराब ठेके से बाहर निकाली जाती है तथा उसके बाद गली मौहल्लों में कुटीर उद्योग की तरह शराब का काम करने वालों के पास थैलों में डालकर शराब उन तक पहुंचा दी जाती है।

यह बात सभी स्थानीय थाना चौकी पुलिस के कर्मचारियों को पता होता है कि किस समय ठेकों से शराब निकलती है लेकिन उस समय वह वहां दिखायी नहीं देते। पैगारी के माध्यम से पहुंचायी गयी शराब गली मौहल्लों में भी ठेके के दामों पर ही बेची जाती है जब लोगों को ठेके के रेट पर ही मौहल्ले में शराब मिल रही हो तो वह ठेके पर क्यों जाये और इसी तरह गली मौहल्लों में अवैध शराब का काम धडल्ले से चलता है। जिसके बाद जब कभी पुलिस अधिकारियों का डण्डा चला तो पैगारी करने वाले से ही पूछकर दस बीस पव्वों के साथ किसी को भी पडक कर अधिकारियों की नजरों में हीरो बन जाते हैं और पकडे जाने वाले को भी पता होता है कि आबकारी अधि नियम में उसे जमानत मिल ही जायेगी इसलिए वह भी कोई टेंशन नहीं लेता। क्योंकि जमानत कराने वाले भी पैगारी वाले ही होते हैं। अब सोचने वाली बात है कि अगर जनपद में पैगारी पर लगाम लगाने के लिए कोई पुलिस अधिकारी व कर्मचारी आगे नहीं आयेंगे तो फिर कैसे पुलिस अधिकारी अवैध शराब के धन्धे पर लगाम लगाने के दावे कर सकते हैं यह अपने आप में एक सोचनीय विषय हो गया है।

एबीवीपी का 22वां प्रान्त अधिवेशन सम्पन्न

पहली बार महिला प्रांत अध्यक्ष व मंत्री निर्वाचित हुए

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 22 वां प्रान्त अधिवेशन उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें पहली बार महिला प्रांत अध्यक्ष व प्रांत मंत्री निर्वाचित हुए।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश मंत्री काजल थापा ने बताया कि अधिवेशन में प्रान्त भर के कुल 279 कार्यकर्ता उपस्थित रहें जिसमें 195 छात्र, 69 छात्रा व 15 शिक्षक उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि प्रान्त अधिवेशन में शिक्षा की वर्तमान चुनौतियां और समाज की भूमिका, उत्तरांचल प्रदेश का वर्तमान परिदृश्य ये 2 प्रस्ताव भी पारित हुए साथ में शत प्रतिशत मतदान का आहवान किया गया। उन्होंने बताया कि अधिवेशन के अन्तिम दिन व्यवस्था में लगे सभी कार्यकर्ताओं का परिचय भी सभी के समक्ष रखा गया। अभाविप उत्तराखण्ड की नवीन कार्यकारिणी जिसमें प्रदेश अध्यक्ष डा0 ममता सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष डा0 राजेश भट्ट, डा0 बलवंत कुमार, डा0 कुमुद उपाध्याय, डा0 भक्त दर्शन सिंह नेगी, डा0 जेपी भट्ट, प्रदेश सह मंत्री राजन चन्द्र जोशी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य 108 के नामों की घोषणा हुई। काजल थापा ने बताया कि स्वाधीनता की अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अभाविप पूरे प्रदेश में इकाई स्तर पर कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगी, महिला समस्याओं को लेकर ऋतुमती अभियान चलाएगी व अगले वर्ष अभाविप अपने 75 वर्ष में प्रवेश कर रही है और उसी के रूप में कार्य विस्तार हेतु अभाविप ने 100 विस्तारक निकालना तय है।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी सरासर लूटः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि आमजन आड़े वक्त एवं आपात स्थिति में अपने परिवार की स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों व दुर्घटनाओं के समय उपचार हेतु बीमा कंपनियों से स्वास्थ्य बीमा करवाता है, ताकि आड़े वक्त इलाज हो सके, लेकिन सरकार द्वारा स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूला जाता है, जोकि सरासर लूट है। स्वास्थ्य जैसी सुविध ाओं पर केंद्र सरकार द्वारा इस तरह से टैक्स थोपना दुर्भाग्यपूर्ण भी है।

नेगी ने कहा कि वर्तमान में कोरोना व अन्य बीमारियों के तेजी से बढ़ते मामलों की वजह से बीमा कंपनियां भी प्रीमियम बढ़ाने की तैयारी में हैं, जैसा कि बीमा प्रीमियम पर इरडा (इंश्योरेंस रेगुलेटिरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी) से 5 फीसदी बढ़ोतरी की हरी झंडी मिलने के बाद सरकार कभी भी प्रीमियम बढ़ाने की अनुमति दे सकती है। मौजूदा हालात में प्रीमियम बढ़ाने से बीमा कंपनियां राहत की सांस ले सकती हैं, लेकिन जनता पर इसका बोझ पड़ना लाजमी है। उन्होने कहा कि मोर्चा केंद्र सरकार से मांग करता है कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लिए जा रहे भारी भरकम आईजीएसटी को कम करें ताकि अन्य लोग भी अपने स्वास्थ्य बीमा लाभ के प्रति सजग हो सकें।

एक नजर

सपा में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य, धर्म सिंह सैनी समेत बीजेपी के 6 बागी विधायक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी कार्यालय में स्वामी प्रसाद मोर्य समेत बीजेपी के आठ विधायकों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा का दामन थामा। सपा के साथ आने वालों में स्वामी प्रसाद मौर्य, धर्म सिंह सैनी, भगवती सागर, विनय शाक्य, रोशनलाल वर्मा, मुकेश वर्मा, बृजेश कुमार प्रजापति, चौधरी अमरसिंह शामिल हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले यह बीजेपी के लिए बड़ा सियासी नुकसान माना जा रहा है। बीजेपी छोड़ सपा में शामिल होने से पहले स्वामी प्रसाद मोर्य ने दावा किया था कि बीजेपी के कई विधायक भगवा पार्टी को अलविदा कहने वाले हैं, और ऐसे विधायकों की लंबी कतार है।अब इस बात की अटकलें तेज हैं कि योगी सरकार के कई और मंत्री , विधायक भी इस्तीफा दे सकते हैं। वहीं तीन अन्य बीजेपी विधायकों ने भी मौर्य के बाद पार्टी का दामन छोड़ दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले स्वामी प्रसाद मौर्या ने दावा किया है कि राज्य में एक दर्जन से ज्यादा विधायक बीजेपी को छोड़ने की तैयारी में हैं और जल्द ही वह बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री ने किया गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस के दुर्घटना स्थल का दौरा

कोलकाता/गुवाहाटी। पश्चिम बंगाल के जलपाइगुड़ी जिले में दोमोहानी के निकट बृहस्पतिवार को बीकानेर–गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के १२ डिब्बे पटरी से उतर गये और कुछ डिब्बे पलट गए, जिसके चलते कम से कम ६ यात्रियों की मौत हो गई तथा ४५ से अधिक लोग घायल हो गए। शुक्रवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जलपाईगुड़ी में गुवाहाटी–बीकानेर एक्सप्रेस के दुर्घटना स्थल का दौरा किया। इस दौरान अश्विनी वैष्णव ने कहा, ये बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री लगातार

इसकी निगरानी कर रहे हैं। बता दें कि वैष्णव के अलावा केंद्रीय अल्पसंख्यक राज्य मंत्री जॉन बारला ने जलपाईगुड़ी में गुवाहाटी–बीकानेर एक्सप्रेस के दुर्घटना स्थल का दौरा किया। जॉन बारला ने बताया, लोगों को रेस्क्यू करके विभिन्न अस्पतालों में पहुंचा दिया गया है। ६ लोगों की मौत हुई है और ३६ लोग घायल हैं। गुवाहाटी में एनएफआर के एक बयान में कहा गया है कि बचाव अभियान पूरा हो गया है। दुर्घटना के समय ट्रेन में १,०५३ यात्री सवार थे।

पिछले 13 दिनों में मारे गए 14 आतंकियों में से 7 आतंकी पाकिस्तानी नागरिक

जम्मू । देर रात कुलगाम में हुई मुठभेड़ में मारा गया आतंकी पाकिस्तानी नागरिक निकला है। इस तरह से इस साल के पहले १३ दिनों में मारे गए १४ आतंकियों में से ७ पाकिस्तानी नागरिक थे। इस कामयाबी पर पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह फुले नहीं समा रहे। उन्होंने बताया कि कुलगाम मुठभेड़ में देर रात जम्मू कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों को एक बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी थी। सुरक्षाबलों को आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के पाकिस्तानी आतंकी बाबर भाई को मार गिराने में सफलता मिली थी। बाबर वर्ष २०१८ से शोपियां–कुलगाम क्षेत्र में

आतंकवादी वारदातों को अंजाम दे चुका है। कश्मीर जोन के आइजी के विजय कुमार ने इंटरनेट मीडिया पर जानकारी दी कि पाकिस्तानी आतंकी बाबर भाई जो जैश–ए–मोहम्मद आतंकी संगठन से संबंधित था को ढेर कर दिया गया है। बाबर वर्ष २०१८ से कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी वारदातों को अंजाम दे चुका है। उसके कब्जे से एक एके राइफल, एक पिस्तौल और दो हथगोले बरामद हुए हैं। इस मुठभेड़ में जम्मू के नगरोटा का रहने वाला पुलिसकर्मी रोहित चिब भी शहीद हो गया था।

काले गैंग का फरार बदमाश 'चूहा' गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करने वाले दिल्ली के काले गैंग के फरार बदमाश रामसेवक उर्फ चूहा को पुलिस ने कल देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। काले गैंग के तीन बदमाशों को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है।

बता दें कि बीते वर्ष 15 दिसम्बर को अमित शाह पुत्र स्व. सतेन्द्र कुमार निवासी गुठेता, देवियोखाल द्वारा थाना रिखणीखाल में तहरीर देकर बताया गया था कि बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा उनकी दुकान पूजा ज्वैलर्स से चांदी के पायल, चांदी के ग्लास, चांदी के कटोरे व कुछ पुरानी चांदी चोरी कर ली गयी हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी थी। चोरी की इस वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन बदमाशों को सोनू रावत, गोपाल उर्फ काले व साहिल उर्फ नानू को चोरी किये गये माल सहित पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

इस मामले में फरार चल रहे बदमाश रामसेवक उर्फ चूहा जो पूर्व में गिरफ्तारी के डर से बिहार भाग गया था, कि तलाश की जा रही थी। बीते रोज पुलिस ने एक सूचना के बाद फरार चल रहे बदमाश रामसेवक उर्फ चूहा पुत्र स्व. दिनेश को रैन बसेरा गीता कालोनी दिल्ली के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके पास से पुलिस ने चुरायी गयी 2 जोड़ी चांदी की पायल भी बरामद की गयी है। पुलिस ने रामसेवक उर्फ चूहा को सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

धारदार हथियारों सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर उनके पास से दो धारदार चाकू बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार कल देर राम रायवाला थाना पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस मोतीचूर सुखी नदी पुल हरिपुर कला के समीप पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम अमनदीप सिंह पुत्र बलविंदर सिंह निवासी बिरला फार्म हरिपुर कला व स्थायी अमृतसर पंजाब बताया। वहीं दूसरी ओर पुलिस की दूसरी टीम द्वारा खांड गांव पुलिया के समीप से एक गिरफ्तार कर उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। जिसने अपना नाम सुनील सिंह पुत्र आनंद सिंह निवासी सतपुली जिला पौड़ी गढ़वाल बताया। पुलिस ने दोनो बदमाशों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

उत्तराखण्ड एसटीएफ की गाजियाबाद में रेड, 10 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। बहादराबाद के सिडकुल से भेजे गये कास्मेटिक्स ट्रक लूट मामले में फरार चल रहे बदमाश को एसटीएफ द्वारा कल देर रात गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर दस हजार के ईनाम घोषित था जिसकी एसटीएफ को लम्बे समय से तलाश थी।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में बहादराबाद के सिडकुल से भेजे गये कास्मेटिक्स ट्रक को बदमाशों द्वारा हथियारों की नोक पर लूट लिया गया था। इस मामले में मुख्य आरोपी तौसीफ के लगातार फरार रहने पर पुलिस प्रशासन द्वारा उस पर 10 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। ईनामी बदमाश तौसीफ की तलाश में एसटीएफ द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी, लेकिन वह फिर भी फरार चल रहा था। तौसीफ की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी एसटीएफ को कल देर रात सूचना मिली कि वह गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एसटीएफ द्वारा बताये गये स्थान पर दबिश देकर ईनामी बदमाश तौसीफ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

युवती से दुष्कर्म, तीन नामजद

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में एक युवती के अपहरण व दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज पीड़ित युवती द्वारा सहसपुर थाने में तहरीर देकर बताया गया कि 12 जनवरी को समय साढ़े पांच बजे जब वह अपनी स्कूटी पर तेल भरा कर अपने घर जा रही थी तो उसकी स्कूटी थोड़ी दूरी पर खराब हो गयी। बताया कि स्कूटी खड़ी कर जब वह अपने घर की ओर जाने लगी तो वहां कार सवार तीन लोग आ गये और उन्होने मुझे लिफ्ट दे दी जो मुझे जबरदस्ती बरोटीवाला के कब्रिस्तान लेकर गए एवं मुझे उसी कब्रिस्तान में रखा और अगले दिन बरोटीवाला में उनमें से एक अनिल द्वारा मेरे साथ बलात्कार किया गया। जिसके बाद बड़ी मुश्किल से मैं अपनी जान बचा कर वहां से भाग गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अनिल निवासी बरोटीवाला, नूर हसन निवासी छरबा व एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है एक माली की।

संपर्क करें- 9358134808

आवश्यकता है

होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।

संपर्क करें- 9358134808

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।